AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

विद्यार्थियों की साजनात्मक चिन्तन शक्ति का उनके व्यक्तिगत मूल्यों के संदर्भ में अध्ययन

ORIGINAL ARTICLE

Author
डॉ. सोहन कुमार मिश्र
अतिथि व्याख्याता
शिक्षा अध्यानशाला
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय
बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़, भारत

शोध सार

सृजनात्मक चिंतन एक सहज मानवीय प्रवृत्ति है। इसका प्रयोग व्यक्ति प्रतिदिन की समस्याओं के समाधान में करता है। व्यक्तिगत मूल्य एक भावना है जो क्रियाओं से निर्मित होती है। सृजनात्मक चिन्तन शक्ति का विकास शिक्षक, बालकों के व्यक्तित्व गुणों को ध्यान में रखकर कर सकते है एवं उनके मूल्यों को समझ सकते हैं। उचित वातावरण प्रदान कर उनकी प्रतिभा को विकसित करने के अवसर प्रदान कर सकते हैं। प्रस्तुत शोध में विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति का उनके व्यक्तिगत मूल्यों के संदर्भ में अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की कक्षा 6 वीं के लगभग 150 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। सृजनात्मक चिन्तन मापनी एवं व्यक्तिगत मूल्य मापनी के प्रषासन से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पाया गया कि विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति एवं व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके लिंग एवं क्षेत्र का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति एवं सामाजिक मूल्य, प्रजातांत्रिक मूल्य, ज्ञान मूल्यों में धनात्मक सह संबंध होता है।

मुख्य शब्द

विद्यार्थी, सृजन, प्रवृत्ति.

प्रस्तावना

मानव जीवन में शिक्षा की अहम् भूमिका है। बालक के व्यवहार में परिवर्तन लाने का कार्य शिक्षा ही करती है। शिक्षा के माध्यम से ही समाज अपनी संस्कृति की रक्षा करता है। जीवन में उदारता, उच्चता, चिन्तन, सृजन, सौन्दर्य एवं उत्कृष्टता शिक्षा द्वारा ही संभव है। शिक्षक, सृजनात्मक चिन्तन शक्ति का विकास, बालक के व्यक्तित्व के गुणों को ध्यान में रखकर कर सकता है एवं उनके मूल्यों को समझ सकता है। वह सृजनशील विद्यार्थियों को उचित वातावरण प्रदान कर उनकी प्रतिभा को विकसित करने का सुअवसर प्रदान कर सकता है।

शोध के उद्देश्य

शोध के उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

1. विद्यार्थियों में सृजनात्मक चिन्तन शक्ति का अध्ययन करना।
2. विद्यार्थियों में निहित व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन करना।
3. विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्य तथा सृजनात्मक चिन्तन शक्ति में संबंध ज्ञात करना।

परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत शोध की परिकल्पनाएँ निम्नलिखित हैंः

H_{01} विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति पर लिंग का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

H_{02} विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

H_{03} विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके लिंग का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

H_{04} विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके क्षेत्र का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

H_{05} विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति तथा उनके व्यक्तिगत मूल्यों के विभिन्न घटकों के बीच सार्थक सह संबंध नहीं होता है।

परिसीमन

अध्ययन बस्तर जिले के विकासखण्ड जगदलपुर के अन्तर्गत उच्च प्राथमिक शाला के कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों तक परिसीमित है।

शोध प्रक्रिया

शोध विधिः इस अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्शः बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखण्ड की 3 शहरी एवं 3 ग्रामीण शालाओं के उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों (75 बालक तथा 75 बालिकाओं) का चयन यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि से किया गया।

उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आँकड़ों के संकलन हेतु निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया है :

1. सृजनात्मक चिन्तन मापनी – डॉ. बाकर मेहदी (मानकीकृत)
2. व्यक्तिगत मूल्य मापनी – डॉ. जी.पी. शेरी एवं डॉ. आर.पी. वर्मा (मानकीकृत)

चर

प्रस्तुत शोध में चरों का वर्गीकरण निम्नानुसार किया गया हैः

1. **स्वतंत्र चरः** व्यक्तिगत मूल्य
2. **आश्रित चरः** सृजनात्मक चिन्तन
3. **सह चरः** लिंग एवं क्षेत्र

सांख्यिकीय विश्लेषण

प्रस्तुत शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमान के अंतर की सार्थकता (t-मान) तथा सह संबंध की गणना की गयी।

परिकल्पना क्रमांक 01ः ''विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति पर उनके लिंग का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।''

सारिणी क्रमांक 01

क्र.	लिंग	न्यादर्श संख्या (N)	सार्थकता M	प्रमाणिक विचलन SD	df	t	सार्थकता स्तर
1	बलक	75	65.38	17.58	159	0.48	0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक अतंर नहीं
2	बालिका	75	59.83	19.51			

बालकों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति के प्रदत्तों का मध्यमान 65.38 तथा प्रमाणिक विचलन 17.58 एवं बालिकाओं की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति के प्राप्तांकों का मध्यमान 59.83 तथा प्रमाणिक विचलन 19.51 प्राप्त हुआ।

बालक/बालिकाओं की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति के मध्यमानों के अंतर की सार्थकता की जांच के लिए 'टी' परीक्षण किया गया, जिसका मान 0.48 प्राप्त हुआ। 159 df तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर 'टी' का सारणीगत मान 1.96 है। गणना द्वारा प्राप्त मान सारणीगत मान से कम है। अतः परिकल्पना – 01 स्वीकृत की जाती है। परीक्षण से प्राप्त निष्कर्ष से यह ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति पर उनके लिंग का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

परिकल्पना क्रमांक 02: ''विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति पर क्षेत्र का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

सारिणी क्रमांक 02

क्र.	क्षेत्र	न्यादर्श संख्या (N)	सार्थकता M	प्रमाणिक विचलन SD	df	t	सार्थकता स्तर
1	शहरी	75	63.21	19.10	159	0.66	0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक अंतर नहीं
2	ग्रामीण	75	62	18.43			

शहरी विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिंतन शक्ति के प्राप्तांकों का मध्यमान 63.21 तथा प्रमाणिक विचलन 19.10 एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के सृजनात्मक चिंतन शक्ति के प्राप्तांकों का मध्यमान 62 तथा प्रमाणिक विचलन 18.43 प्राप्त हुआ। शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिंतन शक्ति के मध्यमानों के अंतर की सार्थकता की जाँच के लिए 't' परीक्षण किया गया जिसका मान 0.66 प्राप्त हुआ। 't' का सारिणीगत मान 159 df पर 0.05 सार्थकता स्तर पर 1.96 है। गणना द्वारा प्राप्त मान सारणीगत मान से कम है। अतः परिकल्पना – 02 स्वीकृत की जाती है अर्थात् विद्यार्थियों की सृजनात्मक शक्ति पर उनके क्षेत्र का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

परिकल्पना क्रमांक 03: ''विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके लिंग का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।''

सारिणी क्रमांक 03

क्र.	मूल्य	लिंग	न्यादर्श संख्या (N)	सार्थकता M	प्रमाणिक विचलन SD	df	t	सार्थकता स्तर 0.05
1	धार्मिक मूल्य	बालक	75	12.99	3.07	159	0.77	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	62	18.43			
2	सामाजिक मूल्य	बालक	75	13.5	3.18	159	0.53	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	13.19	2.89			
3	प्रजातांत्रिक मूल्य	बालक	75	13.74	3.17	159	0.98	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	13.73	3.10			
4	सौंदर्यात्मक मूल्य	बालक	75	11.19	2.45	159	0.5	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	11.44	3.32			
5	आर्थिक मूल्य	बालक	75	9.99	3.32	159	0.28	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	10.56	3.13			
6	ज्ञान मूल्य	बालक	75	13.54	3.05	159	0.12	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	12.71	2.93			
7	आनंद मूल्य	बालक	75	11.16	3.20	159	0.75	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	11.31	3.00			
8	शक्ति मूल्य	बालक	75	9.84	2.83	159	0.06	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	10.68	2.62			
9	परिवार प्रतिष्ठा मूल्य	बालक	75	12.89	3.04	159	0.46	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	12.54	3.00			
10	स्वास्थ्य मूल्य	बालक	75	11.18	2.75	159	0.26	सार्थक अंतर नहीं
		बालिका	75	10.73	2.54			

परीक्षण से प्राप्त निष्कर्ष से यह ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके लिंग का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है, अतः परिकल्पना क्रमांक – 03 की पुष्टि होती है।

परिकल्पना क्रमांक 04: ''विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके क्षेत्र का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।''

सारिणी क्रमांक 04

क्र.	मूल्य	क्षेत्र	न्यादर्श संख्या (N)	सार्थकता M	प्रमाणिक विचलन SD	df	t	सार्थकता स्तर 0.05
1	धार्मिक मूल्य	शहरी	75	13.34	2.95	158	0.28	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	12.78	3.21			
2	सामाजिक मूल्य	शहरी	75	14.04	3.04	158	0.03	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	12.7	2.89			
3	प्रजातांत्रिक मूल्य	शहरी	75	13.89	3.09	158	0.55	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	13.56	3.18			
4	सौंदर्यात्मक मूल्य	शहरी	75	11.29	2.67	158	0.90	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	11.34	2.51			
5	आर्थिक मूल्य	शहरी	75	9.86	3.31	158	0.11	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	10.69	3.12			
6	ज्ञान मूल्य	शहरी	75	13.09	3.16	158	0.87	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	13.16	2.87			
7	आनंद मूल्य	शहरी	75	10.74	2.89	158	0.03	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	11.74	3.22			
8	शक्ति मूल्य	शहरी	75	10.1	2.88	158	0.49	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	10.41	2.61			
9	परिवार प्रतिष्ठा मूल्य	शहरी	75	12.46	3.82	158	0.32	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	12.96	3.20			
10	स्वास्थ्य मूल्य	शहरी	75	11.2	2.83	158	0.24	सार्थक अंतर नहीं
		ग्रामीण	75	10.7	2.43			

आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर उनके क्षेत्र का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। अतः परिकल्पना 04 स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक 05: ''विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिन्तन शक्ति तथा उनके व्यक्तिगत मूल्यों के विभिन्न घटकों के बीच सार्थक सह संबंध नहीं होता है।''

सारिणी क्रमांक 05

क्र.	व्यक्तिगत मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	न्यादर्श संख्या (N)	सार्थकता df	सहसंबंध r	धनात्मक / ऋणात्मक
1	धार्मिक मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	-0.057	ऋणात्मक
2	सामाजिक मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	0.346	धनात्मक
3	प्रजातांत्रिक मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	0.271	धनात्मक
4	सौंदर्यात्मक मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	-0.061	ऋणात्मक
5	आर्थिक मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	-0.330	ऋणात्मक
6	ज्ञान मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	0.251	धनात्मक

7	आनंद मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	-0.252	ऋणात्मक
8	शक्ति मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	-0.210	ऋणात्मक
9	परिवार प्रतिष्ठा मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	0.028	धनात्मक
10	स्वास्थ्य मूल्य	सृजनात्मक चिन्तन	150	158	0.008	धनात्मक

प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ज्ञात हुआ कि विद्यार्थियों के सामाजिक, प्रजातांत्रिक, ज्ञान, परिवार प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य मूल्य का सृजनात्मक चिन्तन के साथ धनात्मक सह–संबंध प्राप्त हुआ है जबकि विद्यार्थियों के धार्मिक, सौंदर्यात्मक, आर्थिक, आनंद एवं शक्ति मूल्य का सृजनात्मक चिन्तन के साथ ऋणात्मक सह–संबंध पाया गया।

निष्कर्ष

प्रस्तुत लघु शोध में संकलित आँकडों के सांख्यिकी विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:

1. कक्षा 8 वीं स्तर के बालक/बालिकाओं की सृजनात्मक चिंतन शक्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।
2. विद्यार्थियों की सृजनात्मक चिंतन शक्ति पर उनके क्षेत्र का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।
3. छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों में अन्तर नहीं पाया जाता है।
4. शहरी एवं ग्रामीण बालकों के व्यक्तिगत मूल्यों में कोई अंतर नहीं पाया जाता है।
5. विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति में ऋणात्मक सह संबंध होता है।
6. विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति में उच्च कोटि का धनात्मक सह–संबंध होता है।
7. विद्यार्थियों के प्रजातांत्रिक मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति के मध्य उच्च कोटि का धनात्मक सह–संबंध होता है।
8. विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति के मध्य ऋणात्मक सह–संबंध होता है।
9. विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति के मध्य ऋणात्मक सह–संबंध पाया गया है।
10. विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति के मध्य धनात्मक सह–संबंध होता है।
11. विद्यार्थियों के आनंद मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति के बीच ऋणात्मक सह–संबंध होता है।
12. विद्यार्थियों के शक्ति मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति के बीच ऋणात्मक सह–संबंध पाया गया।
13. विद्यार्थियों की परिवार प्रतिष्ठा मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति के बीच धनात्मक सह–संबंध पाया गया।
14. विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य एवं सृजनात्मक चिंतन शक्ति में सार्थक सह–संबंध पाया गया।

सुझाव

शोध निष्कर्षों के आधार पर निम्नांकित सुझाव प्रस्तुत हैं:

1. शालाओं में पुस्तकीय अध्यापन के अतिरिक्त व्यक्तिगत मूल्यों के निर्माण तथा इनका परिमार्जन एवं सृजनात्मक विचारों एवं कार्यों से संबंधित अधिक से अधिक क्रियाकलापों का आयोजन किया जाना चाहिए।
2. विद्यालय में समस्त क्रियाकलापों के आयोजन में बालक एवं बालिकाओं को समान अवसर प्रदान किया जाना चाहिए।
3. पाठ्यक्रम में सृजनात्मकता एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी विषय वस्तु को स्थान देना चाहिए।
4. बागवानी, फोटोग्राफी एवं चित्रकला का प्रशिक्षण तथा अन्य सृजनात्मक कार्यो पर बल देना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. डोनगांवकर, निशा (2010) माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता का उनकी व्यवसायिक अभिरूचि के सन्दर्भ में अध्ययन, एम.एड. 2010 गुरुघासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर।

2. कौशर, एफ. (1982) बुद्धि, सृजनात्मक एवं व्यक्तित्व का बच्चों की जिज्ञासा से संबंध का अध्ययन, तृतीय सर्वे, वाल्यूम 3, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, पृ. 402।

3. राजगोपाल, एस. (1988) सृजनात्मकता के अन्तर्गत उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रो पर कक्षागत वातावरण, उपलब्धि परीक्षण और मानसिक योग्यता का अध्ययन, एम.एड., गुरुघासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर।

——==00==——